उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १५१ वा मंगलवार ३१ दिसंबर २०२४ RNI TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४

बीड वासियों की 50 साल की प्रतीक्षा अब खत्म

अहमदनगर से बीड़ रेलवे का काम पूरा

बजरंग सोनवणे ने हाई-स्पीड रेल के साथ किया ट्रायल

50 साल का सपना हुआ साकार

बीड़ (तामीर न्यूज): केशर काकू क्षीरसागर रजनी ताई पाटिल, गोपीनाथ मुंडे, और प्रीतम मुंडे ने अपने समय में की गई कोशिशों के बाद, अब बजरंग सोनवणे के कार्यकाल में डायरेक्ट रेल की सीटी सुनाई दी। अहमदनगर, बीड़, परली रेलवे लाइन का पिछले 50 वर्षों से अधूरा सपना, अब अहमदनगर से बीड़ तक के काम के साथ 2024 के अंतिम पलों में पूरा हुआ है। हालांकि, बीड़ से परली तक का काम अभी बाकी है। लेकिन बीड़ से अहमदनगर तक रेल से यात्रा का सपना अब साकार होने के करीब है।

विघनवाड़ी-नवगण राजुरी रेलवे लाइन पर हाई-स्पीड ट्रेन का ट्रायल

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद, सांसद बजरंग सोनवणे ने रेलवे अधिकारियों के साथ पहली बैठक की और दिसंबर 2024 के अंत तक बीड़ की सीमा में रेल लाने के आदेश दिए। इसके बाद उन्होंने रेलवे के काम को गति देने के लिए लगातार प्रयास किए। 30 दिसंबर को, सांसद बजरंग सोनवणे की उपस्थिति में विघनवाड़ी से नवगण राजुरी तक 24.5 किलोमीटर की रेलवे लाइन पर हाई-स्पीड ट्रेन का ट्रायल किया गया।

40 साल पुरानी लड़ाई

अहमदनगर-बीड़-परली रेलवे लाइन के लिए 40 साल पहले लड़ाई शुरू हुई थी। 1995 में इस परियोजना को मंजूरी मिली थी, लेकिन काम को उचित गति नहीं मिल सकी। इसकी जिम्मेदारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर भी डाली जाती है क्योंकि उन्होंने आवश्यक फॉलो-अप नहीं किया। पिछले कुछ वर्षों में रेलवे ने बीड़ जिले में प्रवेश किया। लोकसभा चुनाव के दौरान, सांसद बजरंग सोनवणे ने वादा किया था कि वे रेलवे के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सांसद का प्रयास और रेलवे का ट्रायल

चुनाव जीतने के बाद, सांसद बजरंग सोनवणे ने अगले ही दिन रेलवे अधिकारियों के साथ बैठक की और निर्देश दिए कि दिसंबर के अंत तक रेल बीड़ की सीमा में आनी चाहिए। इन आदेशों के तहत, रेलवे के ठेकेदारों और अधिकारियों ने अमलनेर से आगे के काम को तेजी से पूरा किया। जल्द ही, अमलनेर से विघनवाड़ी तक का काम पूरा कर हाई-स्पीड ट्रेन का ट्रायल किया गया। 30 दिसंबर को सांसद बजरंग सोनवणे की उपस्थिति में विघनवाड़ी से नवगण राजुरी के बीच हाई-स्पीड ट्रेन का ट्रायल हुआ, जिसमें उन्होंने ट्रेन को हरी झंडी दिखाई और ट्रेन की पूजा की। आज, 31 दिसंबर को भी हाई-स्पीड ट्रेन का ट्रायल जारी रहेगा। पिछले हफ्ते, सांसद बजरंग सोनवणे ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार से मुलाकात कर रेलवे के काम में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की। इन बैठकों में समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया गया और कई मुद्दे सुलझाए गए।

बीड़ के लिए 50 साल का सपना पूरा होने की ओर

30 दिसंबर की दोपहर 2:30 बजे, सांसद बजरंग सोनवणे नवगण राजुरी रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां रेलवे मांग आंदोलन समिति के सदस्य सत्यनारायण लाहोटी, जवाहरलाल सारड़ा, शांतिलाल पटेल, सुनील खीरसागर, अशोक शेटे, सुरेश मेखे, गोविंद कासत आदि ने उनका स्वागत किया और उनके प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर सांसद के साथ दत्तात्रय (पिंटू) ठोंबरे, भाऊसाहेब गुन, बालासाहेब जाधव, सैयद शरीफ, सूरज पटाईत, बबन जाधव, गुलाब पठान, भागवत तावरे आदि मौजूद थे।

बीड़ जिले के लोग पिछले 40 साल से रेलवे के आने का सपना देख रहे थे। इसके लिए कई आंदोलनों और संघर्षों का आयोजन किया गया। सांसद बनने के बाद, मैंने रेलवे के काम पर पहली बैठक की और आज बीड़ की सीमा में रेलवे पहुंच गई है, यह संतोषजनक है। अगले महीने तक रेलवे को बीड़ तक लाने की कोशिश जारी है। बीड़ रेलवे के लिए अतर बाबर से लेकर जाकिरिया मदनी तक संघर्ष कर चुके हैं, जिनमें जाकिरिया मदनी, राजेंद्र जगताप और सुषीला ताई मराड़े को केस और जेल की सजा तक झेलनी पड़ी।

क़ाज़ी अब्दुल माजिद अब्दुल कादिर की 39 वर्षों की सराहनीय सेवा

ज़िंदगी दी है तो जीने का हुनर भी देना, पाँव बख्शे हैं तो तौफ़ीक-ए-सफ़र भी देना।

मैं तो गूंगा था, मुझे बात सिखाई तूने, मैं जो बोलूं तो लहजे में असर भी देना। दुनिया में जो भी आया है, उसे एक दिन दुनिया से जाना ही है। इसी तरह जो लोग नौकरी करते हैं, उन्हें भी कभी न कभी, चाहे-अनचाहे, 58 वर्ष की आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्त होना पड़ता है। इसी कड़ी में आज, 31 दिसंबर 2024 को शिक्षा और प्रशिक्षण से जुड़े डिप्टी एजुकेशन ऑफिसर क़ाज़ी अब्दुल माजिद अब्दुल कादिर अपनी 39 साल 1 महीने की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

नाम "अब्दुल माजिद" के अक्षरों का मैंने इस प्रकार वर्णन किया है:

"म से मेहनत से प्यार के साथ
अ से अल्लाह से डरते हुए
ज से जिज्ञासा के साथ
द से दावत, ज्ञान और प्रशिक्षण देने वाले"

क़ाज़ी परिवार से ताल्लुक रखने वाले क़ाज़ी अब्दुल कादिर और ज़ुबैदा बेगम के लाड़ले, क़ाज़ी

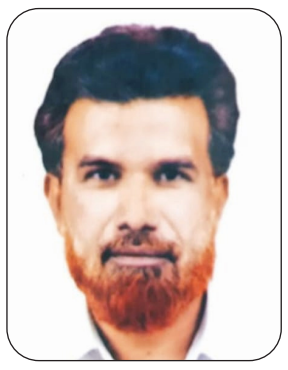

अब्दुल माजिद का जन्म 15 दिसंबर 1966 को मोमिनाबाद, तालुका माजलगाँव में हुआ। आप सात बहनें और दो भाइयों में आठवें स्थान पर हैं। आपकी प्रारंभिक शिक्षा 1977 तक फ़तहाबाद धारूर स्थित "मलिया प्राइमरी स्कूल" में कक्षा 1 से 4 तक हुई। इसके बाद कक्षा 5 से 10 तक की शिक्षा आपने मलिया हाई स्कूल, बीड़ में ली और 1983 में दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की।

घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए आपने तत्कालीन जालना गवर्नमेंट कॉलेज में डी.एड में प्रवेश लिया और प्राथमिक शिक्षक की नौकरी के लिए दो वर्षीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण पूरा होते ही आपने "मलिया हाई स्कूल, धारूर" में शिक्षक के रूप में सेवा देना शुरू किया। वहां से आपकी पहली नियुक्ति 30 नवंबर 1985 को ज़िला परिषद के "प्राइमरी स्कूल, राय मोह" में हुई। कठिन परिस्थितियों में, स्कूल की कमियों के बावजूद, आपने शिक्षा देना जारी रखा।

नौकरी के दौरान आपने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी और बी.ए., एम.ए., और बी.एड. की डिग्रियां प्राप्त कीं।

इसी दौरान 23 जुलाई 1990 को आपका निकाह क़ाज़ी शबाना बेगम से हुआ। यह वही दिन था जब बीड़ में बाढ़ आई थी और लोग परेशान थे।

आपने "मराठवाड़ा सिलेक्शन बोर्ड" के माध्यम से सेकेंडरी स्कूल शिक्षक की परीक्षा पास की और 1993 में ज़िला परिषद बॉयज़ हाई स्कूल, गेवराई में सेवाएं देना शुरू किया। वहां भी हालात अनुकूल नहीं थे, लेकिन आपने गुलाम अतहर सर, रुखसाना बहन, अतहर फातिमा, मोमिन मसीउद्दीन, शाहीन बहन, इशरत फातिमा जैसे शिक्षकों के साथ 2012 तक सेवाएं दीं। इस दौरान, नगर परिषद गेवराई की ओर से आपको "उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार" देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, मौलाना आज़ाद ग्रुप द्वारा भी आपको दूसरा "उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार" मिला।

2012 में आपका तबादला ज़िला परिषद गर्ल्स हाई स्कूल, बीड़ में हुआ। यहां आपने एक वर्ष तक सेवा दी और 12 मई 2013 को "नॉन-गजटेड प्रधानाध्यापक" के पद पर पदोन्नत हुए। 2013 से 2018 तक आपने ज़िला परिषद हाई स्कूल, ब्रह्मनाथ येलम में प्रधानाध्यापक के रूप में सेवाएं दीं। यहां भी परिस्थितियां कठिन थीं, लेकिन आपने काम जारी रखा। 2016 में आपको ज़िला परिषद बीड़ की ओर से "उत्कृष्ट शिक्षक" के रूप में चुना गया।

2018 में आपने "ज़िला परिषद हाई स्कूल, पुथरा" में स्थानांतरित होकर 1 जनवरी 2023 तक सेवा दी। 2 जनवरी 2023 को आपको "डिप्टी एजुकेशन ऑफिसर (योजना)" के पद पर पदोन्नति मिली, और आज इसी पद से आप सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

आपका सेवा काल प्राथमिक शिक्षक से लेकर सेकेंडरी शिक्षक, प्रधानाध्यापक और डिप्टी एजुकेशन ऑफिसर तक का रहा। आपने 39 वर्ष 1 महीने तक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दिया। आपने हर छात्र को अपना समझा और उनकी भलाई के लिए हमेशा प्रयासरत रहे।

आपके सभी छात्र आज भी सम्मान और आदर के साथ आपका ज़िक्र करते हैं। अल्लाह से दुआ है कि वह आपको लंबी उम्र, बेहतरीन सेहत और खुशहाल ज़िंदगी दे।

अंत में, इन पंक्तियों के साथ अपने विचार समाप्त करता हूं:

"दर्स-ओ-तदरीस कितना लहू मांगती है, यह हमसे पूछो,
लोग कहते हैं धंधा बड़ा आराम का है।"

~ ख़तीब सैयद मसबहुल आबिदीन,
असिस्टेंट प्लानिंग ऑफिसर, एजुकेशन ऑफिस (योजना), बीड़
मोबाइल: 9423469920

सरपंच संतोष देशमुख के परिवार से केंद्रीय मंत्री आठवले ने की मुलाकात

बीड : केज तालुका के मस्साजोग गांव के दिवंगत सरपंच संतोष देशमुख की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा केंद्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण राज्य मंत्री रामदास आठवले ने की। आज, श्री आठवले ने दिवंगत देशमुख के परिवार से मुलाकात की और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

सुबह, श्री आठवले ने दिवंगत सरपंच संतोष देशमुख के घर जाकर उनके परिवार को सांत्वना दी। इस दौरान उनकी मां और विधवा पत्नी भावुक होकर रो पड़ीं। उन्होंने अपनी भावनाएं श्री आठवले के समक्ष रखते हुए न्याय की मांग की। श्री आठवले ने कहा कि वे इस मामले को आगे बढ़ाकर परिवार को न्याय दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुखद और समाज को कलंकित करने वाली बताया। इस अवसर पर श्री आठवले ने परिवार के साथ-साथ गांववासियों से भी संवाद किया।

प्लेन क्रैश हादसे के जिम्मेदार लोगों को सजा देगा रूस

अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने विमान हादसे का सच छुपाने के लिए रूस की आलोचना की। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने विमान हादसे का सच छुपाने के लिए रूस की आलोचना की। अजरबैजान एयरलाइंस का विमान 25 दिसंबर को क्रैश हुआ था। इसमें 38 लोगों की मौत हुई थी। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने इस हादसे का जिम्मेदार रूस को ठहराया था। हालांकि, अब रूस ने अजरबैजान से वादा किया है कि वह प्लेन क्रैश के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा जरूर दिलाएगा। अजरबैजान के महाधिवक्ता ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी कि रूस की जांच एजेंसी ने उनसे वादा किया है कि दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

महाधिवक्ता ने कहा- हम साफ तौर पर कह सकते हैं कि प्लेन को रूस की तरफ से मार गिराया गया है। हालांकि हम ये नहीं कह रहे हैं कि रूस ने ऐसा जानबूझकर किया है, लेकिन यह तय है कि इसमें वे शामिल हैं।

दाऊद को घसीटकर लाने की बात की थी, तो वाल्या कराड को लाने में क्या दिक्कत?

जितेंद्र आव्हाड का सवाल

जमीर काजी
मुंबई:
आपने कहा था कि दाऊद इब्राहिम को घसीटकर लाएंगे। तो अब वाल्या कराड को लाने में क्या दिक्कत है?" राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने महायुती सरकार पर तीखा सवाल उठाते हुए आलोचना की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे किसी को "आका" या "काका" नहीं कहने वाले, बल्कि वे धनंजय मुंडे का नाम सीधा ले रहे हैं।

संतोष देशमुख हत्याकांड:
मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को 20 दिन हो चुके हैं, लेकिन इस मामले के मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड को न तो गिरफ्तार किया गया है और न ही उसे हत्याकांड का आरोपी बनाया गया है। इस मामले पर राज्य भर में हंगामा मचा हुआ है। वाल्मिक कराड और उनके राजनीतिक संरक्षक मंत्री धनंजय मुंडे के खिलाफ हर स्तर से सवाल उठाए जा रहे हैं। इस मुद्दे पर मुंबई में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए जितेंद्र आव्हाड ने पुलिस और सरकार पर कड़ा हमला बोला। आव्हाड ने कहा: "लोगों की मेमोरी शॉर्ट है। वे सोच रहे हैं कि लोग इसे भूल जाएंगे। हत्याकांड में 302 के तहत केस दर्ज हुआ है, लेकिन उसमें वाल्मिक कराड का नाम नहीं है। मुख्यमंत्री ने सदन में 'मोक्का' लगाने की घोषणा की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।"

अजित पवार पर निशाना:
आव्हाड ने आरोप लगाया कि अजित पवार ने अब तक इस मामले में कोई जिम्मेदारी नहीं ली है। उल्टा, सदन में वे सुरेश धस को इशारों में संकेत देते नजर आए। उनका उद्देश्य क्या था, यह मुझे नहीं पता।
आव्हाड ने कहा कि अन्ना हजारे के आरोपों के बाद शरद पवार ने सुरेश जैन, नवाब मलिक, पद्मसिंह पाटिल और विजयकुमार गावित से इस्तीफे ले लिए थे। अब धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग हर पार्टी के नेता कर रहे हैं। साथ ही, वाल्मिक कराड को भी मुख्य आरोपी मानते हुए उसे गिरफ्तार करने की मांग विधायक, सांसद और स्थानीय नेता कर रहे हैं। लेकिन अब तक इस पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

महिला आयोग का पुलिस को पत्र
वाल्मिक कराड और मंत्री धनंजय मुंडे को लेकर राज्य भर में बढ़ते रोष के बीच, भाजपा विधायक सुरेश धस द्वारा दिए गए आपत्तिजनक बयान पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। मराठी अभिनेत्री प्राजक्ता माळी द्वारा की गई शिकायत के आधार पर राज्य महिला आयोग ने कार्रवाई

अपराधियों के शस्त्र लाइसेंस तुरंत रद्द करें

जिलाधिकारी कार्यालय के सामने खिलौना पिस्तौल से टिकली फोड़कर अनोखा प्रदर्शन - डॉ. गणेश ढवले

बीड : बीड जिले में जनवरी 2024 से नवंबर 2024 तक के पिछले 11 महीनों में 40 हत्याएं, हत्या के प्रयास के 178 मामले, भीड़ इकट्ठा कर मारपीट और दंगा भड़काने जैसे 498 मामले दर्ज हुए हैं। इसके अलावा, जिले में महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, इस दौरान 166 बलात्कार और 413 छेड़छाड़ की घटनाएं दर्ज हुई हैं।
तत्कालीन पुलिस अधीक्षक अविनाश बारगळ ने कम से कम 2 और अधिकतम 16 अपराधों में शामिल 245 अपराधियों की जानकारी जिला विशेष शाखा से लेकर जिलाधिकारी को भेजी थी और उनके शस्त्र लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश की थी। लेकिन, जिला प्रशासन की इस मामले में गंभीरता की कमी को लेकर विरोध जताने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता और बीड जिला सूचना अधिकार महासंघ (महाराष्ट्र राज्य) के प्रमुख प्रचारक डॉ. गणेश ढवले लिंबागणेशकर के नेतृत्व में आज, सोमवार (दि. 30) को जिलाधिकारी कार्यालय के सामने खिलौना पिस्तौल से टिकली फोड़कर प्रदर्शन किया गया।
प्रदर्शन के दौरान जिलाधिकारी, बीड के माध्यम से गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस को ज्ञापन सौंपा गया। इस आंदोलन में रामधन जमाले (इंटक) बीड जिलाध्यक्ष, पूर्व सैनिक अशोक येडे (आप जिलाध्यक्ष), नितिन सोनावने (ऑल इंडिया पैंथर सेना जिलाध्यक्ष), शेख यूनुस, सुदाम तांदले, शिव शर्मा शेलार, शेख मुबीन, शेख मुस्ताक आदि शामिल थे।
इसके अलावा, सायं दैनिक अभिमान के संपादक राजेंद्रकुमार होळकर, दैनिक पाटोदा संचार के संपादक विलास डोळे, और मराठी पत्रकार परिषद बीड के जिलाध्यक्ष विशाल साळुंके ने भी ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

विस्तृत जानकारी:
बीड जिले में हर हफ्ते एक हत्या, हर दो दिन में हत्या का प्रयास और बलात्कार; 2023 की तुलना में अपराधों में 1,147 की वृद्धि। बीड जिले में कानून व्यवस्था खराब हो चुकी है। आम जनता और महिलाओं के साथ-साथ सभी नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। 2023 की तुलना में इस साल अपराधों की संख्या में 1,147 की वृद्धि हुई है।
हत्या के मामले: 2023 में 11 महीनों में 62 हत्या के मामले दर्ज हुए थे, जबकि 2024 में 40 हत्या के मामले दर्ज किए गए। हत्या के प्रयास: 2023 और 2024 दोनों में 178 हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हुए। बलात्कार के मामले: 2023 में 157 और 2024 में 166 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। छेड़छाड़ और अश्लील हरकतों के मामले: 2023 में 405 और 2024 में 413 मामले दर्ज हुए। मारपीट और दंगों के मामले: 2023 में 391 और 2024 में 11 महीनों में 464 मामले दर्ज हुए। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जिले में कानून व्यवस्था दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में ढिलाई को लेकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर यह मांग की गई कि शस्त्र लाइसेंस धारकों, जिनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, के लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं।

न्यू मराठवाड़ा टायर्स शोरूम का भव्य उद्घाटन

बीड : बार्शी नाका, होटल परभणी-2 के पास, तेलगांव रोड, बीड पर न्यू मराठवाड़ा टायर्स के नए शोरूम का भव्य उद्घाटन 29 दिसंबर 2024, रविवार सुबह 11:30 बजे संपन्न हुआ। इस अवसर पर हजरत मौलाना अब्दुल रहीम कासमी साहब (उस्ताद, दारुल उलूम, बीड) द्वारा दुआ की गई, जबकि उद्घाटन सैयद सलीम के हाथों हुआ।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट शेख शफीक भाऊ, मुफ्ती अब्दुल वाजिद अशरफी, शेख निजाम, सैयद इलियास, खुर्शीद आलम, और समीर काजी उपस्थित रहे। सभी मुख्य अतिथियों का स्वागत शोरूम के मालिक हाफिज रियाज रहमानी और सैयद असद (सागर सेठ) ने किया। कार्यक्रम का समापन आनंदमय माहौल में हुआ।

मदर्स वैली किड्स स्कूल में वार्षिक सम्मेलन

बीड : रोशनपुरा, बालापीर में मदर्स वैली किड्स स्कूल में पिछले एक सप्ताह से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। प्रत्येक दिन विजेता बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। शनिवार को नाटक और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया। रविवार को फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन प्रस्तुत किए। इस फेस्टिवल में शहर के लगभग 500 लोगों ने भाग लिया।
कार्यक्रम के अंत में बेस्ट पेरेंट्स और बेस्ट स्टूडेंट्स को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के मुख्याध्यापक, शिक्षकों और सचिव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विधायक पवार ने मुख्यमंत्री को दिया बीड मार्च का रिपोर्ट

सागर बंगले पर जाकर की मुलाकात

जमीर काज़ी, मुंबई:
सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बीड में हुए सर्वदलीय आक्रोश मार्च में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विश्वासपात्र और विधायक अभिमन्यु पवार ने हिस्सा लेकर सभी को चौंका दिया था। सोमवार को उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और मार्च में शामिल जनता की भावनाएं उनके सामने रखीं। विधायक पवार ने खुद इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर मुख्यमंत्री के साथ फोटो साझा कर दी।

संतोष देशमुख हत्याकांड पर तीव्र प्रतिक्रिया
मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले ने पूरे राज्य में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं। इसके विरोध में शनिवार को बीड में सर्वदलीय आक्रोश मार्च आयोजित किया गया था। इस मार्च में भाजपा के विधायक सुरेश धस और औसा के विधायक अभिमन्यु पवार भी शामिल हुए थे।
मुख्यमंत्री को जनता की भावनाएं बताईं: सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद, विधायक पवार ने "एक्स" पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर बीड आक्रोश मार्च में शामिल जनता की भावनाएं उनके समक्ष रखीं। मैंने बीड में हुए आक्रोश मार्च में भाग लेकर जनता को भरोसा दिलाया था कि उनकी भावनाएं मुख्यमंत्री तक पहुंचाऊंगा। आज मुंबई में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर यह वादा पूरा किया।"

मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया:
मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस घटना को लेकर गंभीर रुख अपनाया है। पवार ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा, दोषियों के बैंक खाते फ्रीज करने और संपत्तियां जब्त करने की कार्रवाई जारी है।
फरार आरोपियों की तलाश युद्ध स्तर पर चल रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।
पवार ने कहा कि उन्होंने आक्रोश मार्च में शामिल जनता की भावनाएं मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का वादा किया था और अब वह वादा पूरा कर दिया है।

इसरो का स्पेडेक्स मिशन लॉन्च

अब 7 जनवरी को दोनों स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में जोड़ेगा ISRO, ऐसा करने वाला चौथा देश बनेगा भारत

श्रीहरिकोटा : इसरो ने आज 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा से रात 10 बजे SpaDeX यानी, स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन लॉन्च किया। PSLV-C60 रॉकेट से दो स्पेसक्राफ्ट को पृथ्वी से 470 किमी ऊपर डिप्लॉय किया गया।
अब 7 जनवरी 2025 को इस मिशन में अंतरिक्ष में बुलेट की स्पीड से दस गुना ज्यादा तेजी से ट्रैवल कर रहे इन दो स्पेसक्राफ्ट्स को कनेक्ट किया जाएगा। मिशन सफल रहा तो रूस, अमेरिका और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा।
मिशन की कामयाबी पर ही भारत का चंद्रयान-4 मिशन निर्भर है, जिसमें चंद्रमा की मिट्टी के सैंपल पृथ्वी पर लाए जाएंगे। चंद्रयान-4 मिशन को 2028 में लॉन्च किया जा सकता है।
मिशन में दो छोटे स्पेसक्राफ्ट टारगेट और चेजर शामिल है। इन्हें PSLV-C60 रॉकेट से 470 किमी की ऊंचाई पर अलग कक्षाओं में लॉन्च किया गया।
डिप्लॉयमेंट के बाद, स्पेसक्राफ्ट्स की रफ्तार करीब 28,800 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैवल कर रहे हैं। ये रफ्तार कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट की रफ्तार से 36 गुना और बुलेट की स्पीड से 10 गुना ज्यादा है।
अब टारगेट और चेजर स्पेसक्राफ्ट फार-रेंज रेंडेजवस फेज शुरू करेंगे। इस फेज में, दोनों स्पेसक्राफ्ट्स के बीच सीधा कम्युनिकेशन लिंक नहीं होगा। इन्हें जमीन से गाइड किया जाएगा।
स्पेसक्राफ्ट करीब आते जाएंगे। 5 किमी से 0.25 किमी के बीच की दूरी तय करते समय लेजर रेंज फाइंडर का उपयोग करेगा। 300 मीटर से 1 मीटर की रेंज के लिए डॉकिंग कैमरे का इस्तेमाल होगा। वहीं 1 मीटर से 0 मीटर तक की दूरी पर विजुअल कैमरा उपयोग में आएगा।
सक्सेसफुल डॉकिंग के बाद, दोनों स्पेसक्राफ्ट के बीच इलेक्ट्रिकल पावर ट्रांसफर को डेमोंस्ट्रेट किया जाएगा। फिर स्पेसक्राफ्ट्स की अनडॉकिंग होगी और ये दोनों अपने-अपने पेलोड के ऑपरेशन को शुरू करेंगे। करीब दो साल तक ये इससे वैल्यूएबल डेटा मिलता रहेगा।

स्पेसक्राफ्ट A में कैमरा और स्पेसक्राफ्ट B में दो पेलोड
डॉकिंग एक्सपेरिमेंट्स के बाद स्टैंडअलोन मिशन फेज के लिए, स्पेसक्राफ्ट A में हाई रिज़ॉल्यूशन कैमरा (HRC) है। स्पेसक्राफ्ट B में दो पेलोड- मिनिएचर मल्टीस्पेक्ट्रल (MMX) पेलोड और रेडिएशन मॉनिटर (RadMon) है। ये पेलोड हाई रिज़ॉल्यूशन इमेजेज, नेचुरल रिसोर्स मॉनिटरिंग, वेजिटेशन स्टडीज और ऑनऑर्बिट रेडिएशन एनवॉयर्नमेंट मेजरमेंट प्रोवाइड करेंगे जिनके कई एप्लीकेशन्स हैं।

मिशन क्यों जरूरी: चंद्रयान-4 जैसे मिशन्स की सफलता इसी पर निर्भर
टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल चंद्रयान-4 मिशन में होगा जिसमें चंद्रमा से सैंपल वापस पृथ्वी पर लाए जाएंगे।
स्पेस स्टेशन बनाने और उसके बाद वहां जाने-आने के लिए भी डॉकिंग टेक्नोलॉजी की जरूरत पड़ेगी।
गगनयान मिशन के लिए भी ये टेक्नोलॉजी जरूरी है जिसमें मानव को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।
सैटेलाइट सर्विसिंग, इंटरप्लेनेटरी मिशन और इंसानों को चंद्रमा पर भेजने के लिए ये टेक्नोलॉजी जरूरी है।
भारत ने अपने डॉकिंग मैकेनिज्म पर पेटेंट लिया
इस डॉकिंग मैकेनिज्म को 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' नाम दिया गया है। इसरो ने इस डॉकिंग सिस्टम पर पेटेंट भी ले लिया है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com